प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 27.12.2024 समय : 01:00 पी.एम.

.....

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर देश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई सरकारी समारोह आयोजित नहीं होंगे। डॉ. मनमोहन सिंह का कल रात नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया था। वे 92 वर्ष के थे और लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने डॉ. मनमोहन सिंह से जुडी यादों को ताजा करते हुए उनके राष्ट्रहित में किये गये कार्यो को अतुलनीय बताया है। उन्होंने कहा कि श्री सिंह का जीवन भावी पीढी के लिए एक मिसाल है कि लोग किस तरह संघर्ष से उबरते हुये उपलब्धियों की ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह एक ईमानदार, महान अर्थशास्त्री के तौर पर याद किये जाएंगे।

.....

इस बीच डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धाजंलि देने के लिए राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्रियों के साथ सहित कई बड़ी हस्तियां दिवंगत प्रधानमंत्री के निवास स्थान पंहुचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि दुनिया के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में शुमार रहे मनमोहन सिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री थे। उन्हें 1991 में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण के दौर का प्रणेता माना जाता है। वे कांग्रेस नेतृत्व वाली यू.पी.ए. सरकार में 2004 से 2014 तक दो बार प्रधानमंत्री रहे। वे भारत के तेरहवें प्रधानमंत्री थे। वे राज्यसभा के 33 साल तक सदस्य रहने के बाद इस साल अप्रैल में संसद के उच्च सदन से सेवानिवृत्त हुए थे। अंतिम बार वे राजस्थान से राज्यसभा पंहुचे थे। उनका कार्यकाल 19 अगस्त 2019 से इस वर्ष 3 अप्रेल तक रहा था।

.....

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जोधपुर में काजरी संस्थान का दौरा किया और अधिकारियों से चर्चा कर कृषि क्षेत्र में

किये जा रहे नवाचारों का जायजा लिया। उन्होंने खेती और कम पानी की फसलों की नई तकनीक को किसानों तक पहुचाने के लिए काजरी के प्रयासों की सराहना की।

.....

पश्चिमी विक्षोभ के असर से नये तंत्र के सक्रिय होने के कारण प्रदेश में कई स्थानों पर मावठ के समाचार है। मौसम विभाग के अनुसार आज बहुत से इलाकों में घना कोहरा भी छाया रहा। पूर्वी जिलों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। सर्वाधिक 3 सेंटीमीटर बारिश नीमकाथाना में दर्ज की गई। दक्षिणी भागों में भी कल शाम से मौसम में आये बदलाव से ठण्ड का असर बढ गया है। उदयपुर में कल से शुरू बारिश का दौर जारी है। वहां ठण्ड बढने के साथ घना कोहरा भी छाया रहा। चूरू में बीती रात से रूक–रूक कर हो रही मावठ से सर्दी का असर बढ गया है। श्रीगंगानगर और आस–पास के इलाकों में भी मावठ ने सर्दी बढा दी हैं। अजमेर में सुबह से बादलो की आवाजाही के बीच कभी हल्की तो कभी मध्यम बारिश हो रही है। कोहरे के कारण दृश्यता घटने से वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मौजूदा दौर के 1–2 दिन बने रहने की संभावना है। 29 दिसम्बर से आसमान साफ होने और मौसम के शुष्क होने के आसार है।

.....

कोटपूतली के किरतपुरा में बोरवेल में फंसी बच्ची को निकालने के प्रयास जारी है। पांच दिन पहले खुले बोरवेल में गिरी बच्ची को निकालने के लिए बराबर की गहराई में गड्ढा खोदा जा चुका है। अब इसमें पाईप डालकर माइनर्स को उतारा जायेगा। गड्ढे से बोरवेल तक सुरंग बनाकर बच्ची को निकालने की कोशिश की जा रही है। इस बीच मौसम में बदलाव से राहत कार्यो में दिक्कत आई है। इधर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेशभर में खुले बोरवेल बंद करने के निर्देश दिए हैं। कल सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक में उन्होंने बोरवेल हादसों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

.....